(b) The data in connection with the surveys carried out so far in five Community Project Areas is under analysis.

उत्तर-पूर्व रेलवे में रमईपुर गांव पर हाल्ट

*२२८. श्री जगन्नाथ प्रशाद अग्रवाल : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि सरकार उत्तर-पूर्व रेलवे के बिसवां और परसेंडी स्टेशनों के बीच रमईपुर गांव पर एक हाल्ट खोल रही है ; और

(ख) इस कार्य के कब तक हो जाने की संभावना है ?

†[OPENING OF A HALT AT VILLAGE RAMAIPUR ON THE NORTH EASTERN RAILWAY

*228. SHRI J. P. AGRAWAL: Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to open a halt at village Ramaipur between Biswan and Parsendi stations of North Eastern Railway; and

(b) by what time the proposal is likely to materialise?]

रेल उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). बिसवां और परसेंडी स्टेशनों के बीच एक हाल्ट स्टेशन बनाने का विचार है ।

अभी इस बात पर विचार किया जा रहा है कि हाल्ट किस जगह बनाया जाय । ज्यों ही जगह चुन ली जायेगी, हाल्ट बनाने का काम शुरू कर दिया जायेगा ।

†[THE DEPUTY MINISTER FOR RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) and (b). It is proposed to provide a halt station between Biswan and Parsendi Stations.

The exact location of the proposed halt is still under consideration and the work will be taken in hand as soon as the site is finally selected.]

सिक्किम में सड़कों का निर्माण

*२२९. श्री राम सहाय : क्या परिवहन और संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सिक्किम में सड़कों के निर्माण का काम ठीक प्रकार से नहीं हो रहा है, यदि ऐसा है तो क्यों ; और

(ख) क्या सरकार इस बारे में किसी खास योजना पर विचार कर रही है ?

†[ROAD COSTRUCTION IN SIKKIM

*229. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister for TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the work of road construction in Sikkim is not proceeding well; if so, why; and

(b) whether Government are considering any specific scheme in this regard?]

परिवहन तथा संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री हुमायूं कबीर) : (क) पहली पंच वर्षीय योजना काल के अन्दर सिक्किम में सड़क निर्माण प्रगति में कुछ ढिलाई रही । इसका कारण वहा मजदूरों की भारी कमी और कई एक दूसरी विशेष प्रकार की प्रारम्भिक कठिनाइयां थी । फिर भी इस काम की प्रगति में १९५६-५७ में काफी सुधार हुआ है और यह रफ़्तार जारी है ।

(ख) सवाल ही पैदा नहीं होता ।

†English translation.